



Literacy for a Billion

Movie: Aasha

Year: 1980

शीशा हो या दिल हो  
शीशा हो या दिल हो  
आख़िर टूट जाता है  
टूट जाता है टूट जाता है  
टूट जाता है  
लब तक आते आते  
हाथों से सागर छूट जाता है  
छूट जाता है छूट जाता है  
शीशा हो या दिल हो  
आख़िर टूट जाता है

काफ़ी बस अरमाँ नहीं  
कुछ मिलना आसाँ नहीं  
दुनिया की मजबूरी है  
फिर तक़दीर ज़रूरी है  
ये दो दुश्मन हैं ऐसे  
दोनों राज़ी हों कैसे  
एक को मनाओ तो  
दूजा रूठ जाता है  
रूठ जाता है रूठ जाता है

Song: Sheesha Ho Ya Dil Ho

Lyricist: Kaifi Azmi

शीशा हो या दिल हो  
आख़िर टूट जाता है  
बैठे थे किनारे पे  
मौजों के इशारे पे  
बैठे थे किनारे पे  
मौजों के इशारे पे  
हमें खेले तूफ़ानों से  
इस दिल के अरमानों से  
हमको ये मालूम न था  
कोई साथ नहीं देता  
कोई साथ नहीं देता  
माँझी छोड़ जाता है  
साहिल छूट जाता है  
छूट जाता है छूट जाता है  
शीशा हो या दिल हो  
आख़िर टूट जाता है  
टूट जाता है टूट जाता है  
टूट जाता है  
शीशा हो या दिल हो

*Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.*

*PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.*